Fr. Agnel School

Waliv, Vasai (E)

1st Unit Test Exam

Std. : 9th **Sub : Hindi** **Total Marks : 40**

विभार्ग १ गद्य

प्र १.निम्नलिखित परिच्छोद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियॉ कीजिए |

एक समय था जब घर में बिल्ली का आना - जाना बुरा समझा जाता था| परंतु आजकल की परिस्थिति के कारण पुरानी विचारधारा और परंपरा एकदम घपले में पड़ गई है| वही विचार ठीक समझा जाता है जिससे काम चले| पिछाले दिनों हमारे घर में बहुत चूहे हो गए थे| उन्हें घर से निकालने के बहुतेरे प्रयत्न किए गए पर हमारी एक न चली| आटे और अनाज के लिए लोहे के ढोल बनवाए गए| यह उपाय कुछा दिनों तक कारगर रहा| परंतू ऑख बचाकर चूहे इन ढोलों में भी घुसने लगे| इस समस्या पर कई मित्रों परामर्श किया गया| आखिर यह फैसला हुआ कि घर में एक बिल्ली पाली जाए| इस प्रस्ताव्ए पर किसी को आपत्ति न थी|

चुनांचे एक बिल्ली लाई गई| उसकी खूब खातिर होने लगी| कभी बच्चे दूध पिलाते, कभी रोटी देते| उसने विधिपूर्वक चूहों का सफाया शूरू कर दिया| देखते – ही - देखते चूहें घर से गायब हो गए| सब लोग बड़े खुश हुए| बिल्ली प्रायः सब लोगों की थाली से जूठन ही खाती इसलिए हमें इसका कोई खर्च भी नहीं पड़ा | दो महिने बाद वह समय आ गया जब हम चूहो को तो भूल गए और बिल्ली से तंग आ गए| हमने सोचा चूहे तो खाली अनाज ही खाते थे, कम – से - कम परेशान तो नहीं करते थे| यह बिल्ली खानें में भी कम नहीं और हमें तंग भी करती रहती है| उसके प्रति हमारा व्यवहार बदल गया|

बिल्ली भी कम समझदार जानवर नहीं| जो शेर के काबू में नहीं आई वह हमसे कैसे मात खा जाती| उसने भी अपना रवैया बदल दिया| हमारे आगे - पीछे फिरने की बजाय वह रसोई के आस पाास कोने में दुबक कर बैठ जाती| जब मैका लगता, मजे से जो में आता खाती| इसत रह चोरी करते बिल्ली कई बार पकड़ी गई| एक दिन सुबह उठते ही मैं रसोई में कुछ लेने गया| देखता हूँ कि कढ़े हुए दूध का दही जो रात को बड़े चाव से जमाया गया था, बिल्ली खूब मजे से खा रही है|

कृति १.आकृति पूर्ण कीजिए|

१. बिल्लियों के बारे में पुरानी मान्यता - १

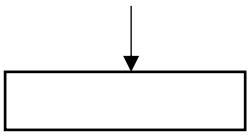

२. घर में बिल्ली पालने का कारण - २

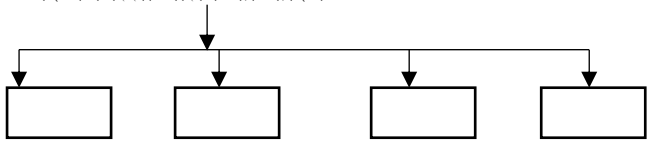

३. बच्चों द्वारा बिल्ली की खातिर - १

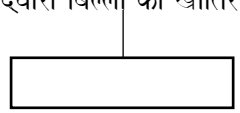

४. परिच्छेद में आए कहानी के प्रमुख पात्र - १

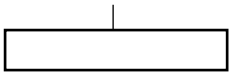

कृति २ प्राणी हमसे कहते हैं, जियो और जीने दो इस विषय पर स्वमत प्रकट कीजिए| २

उन दिनों दिल्ली में बड़ी सनसनी फैली हुई थी| नगर के सभी भागों से बच्चों के उठाए जाने की खबरें आ रही थीं| एक - दो बार पत्रों में यह छपा कि जमुना के पुल पर कुछ आदमी पकड़े गए जिन्होंने बोरियों में बच्चें बंद किए हुए थे| स्कूलों से बच्चें बहुत सावधानी से लाए जाते थे| पार्कों में और बाहर गलियों में बच्चों का खेलना - कूदना बंद हो चुका था| दिल्ली नगरपालिका और संसद में इसी विषय पर अनेक सवाल - जवाब हो चुके थे इसलिए इस मामले में राजधानी के सभी नागरिकों की दिलचस्पी थी| आश्चर्य इस बात का नहीं कि लोगों ने अमरू पर संदेह क्यों किया बल्कि इस बात का था कि उन्होंने अभी तक उसकी मार - पिटाई शुरू क्यों नहीं कर दी| वातावरण से सनसनी और तनाव की कमी न थी|

अगर थनेदार और पुलिस का सिपाही वहाँ न होते तो अबतक अमरू पर भीड़ टूट पड़ी होती| थानेदार ने आते ही अमरू की कलाई पकड़ ली और पूछा "बोल, यह बच्चा तूने कहाँ से उठाया है और इसे तू कहाँ ले जा रहा है ? बता कहाँ है तेरे साथी? आज सबका सुराग लगाकर ही हटूँगा|" अमरू अब तक तो दिल में हँस रहा था मगर थानेदार की धमकियों से कुछ घबरागया दबी आवाज में वह थानेदार से बोला- "सरकार, मैमें किसी का बच्चा नहीं उठाया न| मैं बदमाश हूँ मैं तो एक भले घर का नौकर हूँ| रोटी- चौका करता हूँ और अपना पेट पालता हूँ|"

जो आदमी थानेदार को बुलाकर लाया था, कोध में आकर बोला, "क्या बकता है, बे! दरोगा जी, ऐसे नहीं यह मानेगा| दो चर बेंत रसीद कीजिए|" दरोगा ने बगल से निकाल कर बेंत अपने हाथ में ली ही थी कि अमरू नम्रतापूर्वक झुका और बोला, "सरकार, आप जितना चाहें मुझे पीट लें, पहले यह तो देख लें कि इस बोरी में है क्या? हुक्म हो तो चलिए थाने चलें|" यद्यपि थानेदार इस बात पर राजी हो गए थे पर भीड़ कब मानने वाली थी| लोग चिल्ला उठे, "हरगिज नहीं, एसा कभी नहीं होगा| हम सब इस आदमी की बदमाशी के गवाह हैं| मामला कभी दबने नहीं देंगे|" थानेदार डर गए कि उनकी नीयत पर लोगों को शक हो रहा है उन्होंने अमरू से कहा, "अच्छा, बोरी को नीचे रखो| इसका मुहँ खोलो|"

अमरू शांतिपूर्वक नीचे बैठ गया और धीरे से उसने बोरी का मुहँ खोल दिया| जैसे ही बोरी का मुहँ खुला बिल्ली का बिलंगुड़ा छलाँगें मारता हुआ एक तरफ भाग गया और लोग देखते ही रह गए|

कृति १.आकृति पूर्ण कीजिए|

१ दिल्ली में फैली सनसनी का कारण १

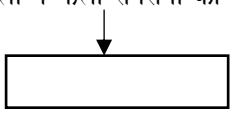

२ सनसनी पूर्ण खबरों का परिणम १

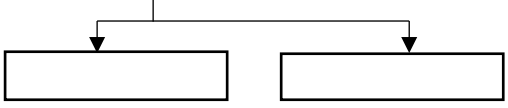

३ सरकारी स्वर पर यहाँ हुएँ थे सवाल जवाब १

४ घटना स्थाल पर मौजूद सरकारी कर्मचारी १

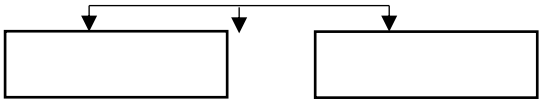

५ अमरू का थानेदार को जवाब १

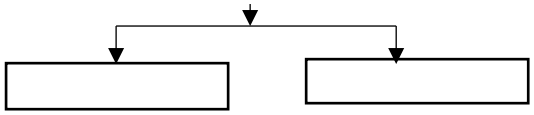

कृति २ सामान्य झनता दवारा आरोप को मारना पीटना कितना उचित विषय पर ८ से १० पंक्तियों में अपने विचार व्यक्त कीजिए | २

विभाग २ पद्य

प्रश्न १ .निम्नलिखित पदयांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए |

चारू चंद्र की चंचल किरणें
खेल रही हैं जल - थल में|
स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है
अवनि और अम्वर तल में||

पुलक प्रगट करती है धरती
हरित तृणों की नोकों से|
मानो झूम रहे हैं तरू भी
मंद पवन के झोंकों से||

कृति १ .आकृति पूर्ण कीजिए |

१ किरणों के खेलने का स्थान | १

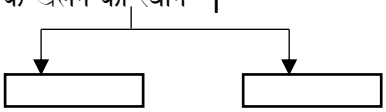

२ यहाँ यहाँ फैली हुई है चाँदनी | १

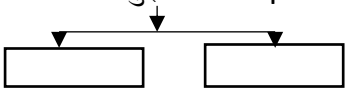

३ चाँदनी रात की दो विशेषवाएँ | १

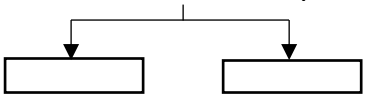

कृति २ . आकृति पूर्ण कीजिए | २

१ धरती खुशी व्यक्त करती है → ____________________ से|

२ जिससे पेड़ तेज गति से इधर से उधर झुकते है → ____________________ |

प्रश्न २ .निम्नलिखित पदयांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए |

है बिखेर देती वसुंधरा
मोती, सवके सोने पर|
रवि बटोर लेता है उणको
सदा सवेरा होने पर||

और विरामदायिनी अपनी
संध्या को दे जाता है|
शून्य श्याम तनु जिससे उसका
णया रूप छलकाता है||

१ पाद्यांश में आया एक बहुमूल्य रत्न - [ ] १

२ कवि के कथनानुसार सवेरे होने पर सूर्य का नियमित काम - [ ] १

३ रात के समय पृथ्वी का अद्भुत कार्य - [ ] १

४ चॉदनी रात की विशेषताएँ १

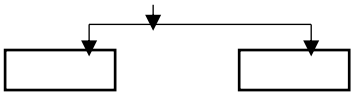

५ रवि को विश्राम देने वाली – [ ] १

विभाग ३ व्याकरण

प्रश्न ३ सूचनाओं के अनुसार कृतियॉ कीजिए |

१ . निम्नलिखित वाक्यों में अधोरेखांकित शब्दों के भेद पहचानकर लिखिए | १

१ . जमुना के पुल पर <u>कुछ</u> आदमी पकड़े गए |

२ . निम्नलिखित वाक्यों में से सहायक किया छॉटकर लिखिए | १

१ . लोग अमरू का पीछा करते रहे |

३ . निम्नलिखित कियाओं के प्रथम प्रेरणार्थक और द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए | २

अ . चलना - आ . उठना -

४ . निम्नलिखित वाक्यों में अव्यय पहचानकर उसके भेद लिखिए | १

यद्यपि वह जल्दी गया था, पर गाड़ी छूट गई |

५ . निम्नलिखित शब्दों के दो दो पर्यायवाची शब्द लिखिए | २

अ . तरू आ . चन्द्र

विभार्ग ४ रचना विभाग

प्रश्न ४ . १ आपका पालतू कुत्ता दो दिनों से लापता है | उसके लिए समाचार पत्र में देने हेतु विज्ञापन तैयार कीजिए | निम्न मुद्दों का आधार लें | ४

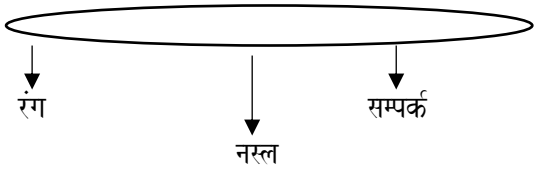

२ . संत के वचन समाज परिवर्तन में सहायक होते है इस विषय पर अपने विचार लिखिए | ५

****